आगामी गर्मियों के सीजन के मद्देनजर जलदाय विभाग की तैयारी

प्रदेश में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की उच्च स्तर से होगी मॉनिटरिंग

चीफ इंजीनियर्स एवं एडिशनल चीफ इंजीनियर्स हर माह करेंगे फील्ड का दौरा

जलदाय मंत्री और अतिरिक्त मुख्य सचिव को सौंपेंगे रिपोर्ट

मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं को सौंपा अलग-अलग जिलों का प्रभार

जयपुर 22 फरवरी। प्रदेश में आगामी गर्मियों के सीजन के मद्देनजर प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति तथा सभी जिलों में चल रही विभिन्न पेयजल परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की उच्च स्तर से मानिटरिंग होगी। इसके लिए जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने एक आदेश जारी कर करीब दर्जन भर चीफ इंजीनियर्स एवं एडिशनल चीफ इंजीनियर्स को अलग-अलग जिलों का प्रभारी नियुक्त किया है। ये अधिकारी आगामी मार्च से प्रति माह अपने प्रभार वाले जिलों का कम से कम एक बार दौरा कर मॉनिटरिंग, निरीक्षण एवं समन्वय का कार्य करेंगे तथा निर्धारित बिन्दुओं पर अपनी मासिक रिपोर्ट तैयार कर जलदाय मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला और अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत को प्रस्तुत करेंगे।

इनको सौंपा जिलों का प्रभार :-

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने बताया कि मुख्य अभियंता (शहरी) श्री सीएम चौहान को कोटा, झालावाड़, बारां, बूंदी तथा जयपुर जिले से संबंधित परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार मुख्य अभियंता (ग्रामीण) श्री आरके मीना को बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर व चूरू जिले की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य अभियंता (प्रशासन) श्री राकेश लुहाड़िया को

भरतपुर एवं धौलपुर, चीफ इंजीनियर (नागौर प्रोजेक्ट) श्री दिनेश गोयल को अजमेर एवं नागौर, मुख्य अभियंता (तकनीकी) श्री संदीप शर्मा को सीकर, झुंझुनू, एवं दौसा, मुख्य अभियंता (विशेष प्रोजेक्ट) श्री आरसी मिश्रा को उदयपुर, राजसमंद एवं डूंगरपुर, चीफ इंजीनियर (जोधपुर प्रोजेक्ट) श्री नीरज माथुर को जोधपुर, जालौर, बाड़मेर एवं जैसलमेर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (प्रोजेक्ट बाड़मेर) श्री जुगल किशोर करवा को पाली एवं सिरोही, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (विशेष प्रोजेक्ट) श्री राकेश जैन को सवाईमाधोपुर एवं करौली, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं सचिव, आरडब्ल्यूएसएसएमबी श्री हुकमचंद वर्मा को को टोंक एवं अलवर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (डी एंड एचपी) श्री राम खिलाड़ी मीना को बांसवाड़ा एवं प्रतापगढ़, तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता (शहरी) श्री देवराज सोलंकी को भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मार्च के प्रथम सप्ताह से होंगे दौरे

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि ये सभी मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता मार्च के प्रथम सप्ताह से अपने-अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करेंगे तथा वहां जल जीवन मिशन में घर-घर नल से जल कनैक्शन की प्रगति के साथ-साथ मेजर प्रोजेक्ट्स एवं अन्य परियोजनाओं के कार्यों तथा पेयजल सप्लाई की व्यवस्था की मौके पर विस्तृत समीक्षा करेंगे। सभी अधिकारियों को कहा गया है कि प्रभार वाले जिलो में चल रही जल प्रदाय योजनाओं के कार्यों को समय पर पूरे करने के लिए समुचित क्रिटिकल मैटेरियल उपलब्ध हो, इस पर अपने दौरों में विशेष ध्यान दे।

हैंडपंप रिपेयरिंग, आरओ प्लांट्स तथा सोलर डीएफयू का होगा निरीक्षण

श्री पंत ने बताया कि सभी चीफ इंजीनियर्स एवं एडिशनल चीफ इंजीनियर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वे हैंड पंप रिपेयरिंग अभियान की प्रगति का जायजा लेने के लिए स्वयं चुनिंदा साइट्स का दौरा करें। जहां कहीं भी जल परिवहन की व्यवस्था चल रही है उसकी समीक्षा करें और कुछ स्थानों पर जाकर इसका व्यक्तिशः निरीक्षण करें। अधिकारियों को ट्यूबवैल एवं हैंडपंप को समय पर कमीशन करने की व्यवस्था के साथ ही लंबित विद्युत कनेक्शन का जायजा लेने के भी निर्देश दिए गए हैं। वे जिलों में आरओ प्लांट्स, सोलर डीएफयू (डी-फ्लोरिडेशन यूनिट्स) और सोलर बोरवैल वाले चुनिंदा स्थानों को देखकर इस बारे में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

ये बिन्दु भी रहेंगे शामिल

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि सभी प्रभारी अधिकारी अपने प्रभार वाले जिलों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 में स्वीकृत किए जा सकने वाले कार्य एवं योजनाओं के बारे में भी आंकलन कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। उनको अपने दौरों में सम्भागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर्स के साथ भी पेयजल व्यवस्था से सम्बंधित विषयों पर विमर्श करने तथा अंतर विभागीय इश्यूज एवं कांट्रेक्टर्स से संबंधित मुद्दों पर भी रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा गया है। सभी अधिकारियों को अपने ट्यूर प्रोग्राम की अतिरिक्त मुख्य सचिव से अग्रिम स्वीकृति लेनी होगी।

रीजनल एसीई प्रति सप्ताह करेंगे विजिट

श्री पंत ने बताया कि इसके अलावा जलदाय विभाग के सभी रीजनल कार्यालयों के एडिशनल चीफ इंजीनियर्स को भी अपने अधीन आने वाले जिलों में से प्रति सप्ताह

कम से कम एक जिले का दौरा करने और वहां पर रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए गए हैं। उनको संबंधित जिलों के कम से कम ऐसे दो गांव जहां पेयजल की समस्या हो, का दौरा कर वहां पेयजल सप्लाई से संबंधित व्यवस्था का फीडबैक लेना होगा।